

**दरमान** पुं. (फा.) इलाज, दवा, औषध।  
**दरमियान** पुं. (फा.) बीच, मध्य।  
**दरया** पुं. (फा.) दे. दरिया।  
**दररना** स.क्रि. (देश.) दे. दरना।  
**दरराना** स.क्रि. (अनु.) हड़बड़ी में आना।  
**दरवाजा** पुं. (फा.) 1. द्वार, मुहाना 2. किवाड़, कपाट।  
**दरवेश** पुं. (अ) फकीर, साधु।  
**दरवेशी** स्त्री. (फा.) फकीरी, साधुता।  
**दरशनी** हुंडी स्त्री. (देश.) वह हुंडी जिसको देखते ही भुगतान दिया जाए।  
**दरस** पुं. (तद्.) 1. देखा देखी, दर्शन, दीदार 2. छवि, सुंदरता।  
**दरसन** पुं. (तद्.) दे. दर्शन।  
**दरसनी** हुंडी स्त्री. (तद्.) दे. दरशनी हुंडी।  
**दरसाना** स.क्रि. (तद्.) दिखलाना, बतलाना।  
**दरांती** स्त्री. (तद्.) हँसिया, घास या फसल काटने का औजार। मुहा. दरांती पड़ना-कटाई शुरू होना।  
**दराई** स्त्री. (देश.) दलने की मजदूरी, दलने की क्रिया।  
**दराज** वि. (फा.) बड़ा, भारी, लंबा प्रयो. उमर दराज लंबी उमर वाला क्रि.वि. (फा.) बहुत अधिक स्त्री. (अर.) मेज का एक खाना, जिसमें सामान रखकर ताला लगा सकते हैं।  
**दरार** स्त्री. (तद्.) 1. शिगाफ 2. किसी चीज के फटने से पड़ने वाली लकीर।  
**दरारना** अ.क्रि. (तद्.) फटना, विदीर्ण होना।  
**दरारा** पुं. (देश.) धक्का, रगड़ा, दरेरा।  
**दरिंदा** पुं. (फा.) हिंसक जंतु, मांस भक्षक जंतु।  
**दरित** वि. (तद्.) 1. डरपोक, भीत 2. फटा हुआ, विदीर्ण।  
**दरिद्वर** वि. (तद्.) दे. दरिद्र।

**दरिद्र** वि. (तद्.) 1. निर्धन, गरीब 2. कंगाल यौ. दरिद्र-नारायण-कंगाल, भिक्षुक पुं. निर्धन व्यक्ति, कंगाल आदमी।  
**दरिद्रता** स्त्री. (तद्.) निर्धनता, कंगाली।  
**दरियादिली** स्त्री. (फा.) उदारता।  
**दरिया** पुं. (फा.) 1. नदी 2. समुद्र, सागर यौ. दरियादिल -उदार व्यक्ति पुं. (देश.) दलिया 2. निर्गुण पंथी संत।  
**दरियाई** वि. (फा.) 1. नदी संबंधी 2. नदी में रहने वाला, जैसे दरियाई घोड़ा 3. समुद्र संबंधी स्त्री (फा.) एक प्रकार की रेशमी साटन का कपड़ा 2. एक प्रकार की तलवार।  
**दरियादिल** वि. (फा.) उदार, दानी।  
**दरियाफ्त** वि. (फा.) ज्ञात, मालूम।  
**दरियाव** पुं. (फा.) दे. दरिया।  
**दरी** स्त्री. (तद्.) 1. गुफा, खोह स्त्री. (देश.) मोटे सूत से बनी हुई चादर बिछोना 2. शतरंजी वि. (तद्.) फाड़ने वाला 2. डरने वाला, डरपोक।  
**दरीखाना** पुं. (फा.) 1. ऐसा घर जिसमें कई खार हो 2. बारहदरी।  
**दरीचा** पुं. (फा.) 1. खिड़की, झरोखा 2. छोटा दरवाजा, चोर दरवाजा।  
**दरीची** स्त्री. (फा.) झरोखा, खिड़की।  
**दरीबा** पुं. (तद्.) पान का बाजार, ऐसी जगह जहाँ तंबोली पान बेचने के लिए बैठते हैं।  
**दरेंद्र** पुं. (तद्.) विष्णु का शंख, पांचजन्य।  
**दरेक** पुं. (तद्.) बकाइन का पेड़।  
**दरेखा** स.क्रि. (तद्.) रगड़ना, पीसना, रगड़ के साथ धक्का देना।  
**दरेग** पुं. (अर.) कमी, कसर प्रयो. उसने सहायता करने में कोई दरेग नहीं रखी।  
**दरेश** पुं. (तद्.) 1. रगड़, धक्का 2. बहाव का जोर 3. धावा।  
**दरेस** स्त्री. (अं.) एक प्रकार की छींट का कपड़ा।